

Vatsalyam: Towards sustainable development @ SBPS

The celebration of Grandparents with the theme 'Towards sustainable development' by the students of Std. I continued amidst great verve and ardour on 4th August 2023. The event commenced with the lighting of the auspicious ceremonial lamp by the eminent Chief Guest, Prof. (Dr.) S. P. Agarwal, Vice Chancellor, Sai Nath University and other dignitaries. The cultural programme commenced amidst abundant vibrance with the lighting of the ceremonial lamp accompanied by shloka chanting by the school choir which was followed by a Welcome Song in which the students enthralled the audience by depicting their love for their grandparents. Students of Std. I-F presented their song 'Eco-lution' conveying the message of conservation of the natural resources to enjoy the bounty of Mother Earth. Std. I-D came on the stage next with their 'Aquatic melodies' which depicted the need to conserve water. 'Back pack to the future' was next in queue, which the students of Std I-B presented to give a glimpse of what the future looked like, if we would not stop the extensive and unmindful use of the renewable sources of energy. The School Annual Report was presented thereafter by the Deputy Literary Secretary, Nabhya Lal. It was followed by 'Laksh' a dance programme wherein the students of I-A presented their determination about the overall development of their nation. Students of Std. I-C presented 'Rhythm of Splash' which revolved around the SDG- Life below water. The last performance of the day 'Terra Melodies' was put up by the students of Std. I-E wherein they reminded everyone about how beautiful the Earth is a place to live in. The audience were highly elated and lauded the performances presented by the tiny tots. The event culminated with the vote of thanks and the rendition of the school song followed by the national anthem. The success of the event was evident through the smiles and emotional eyes of the grandparents as they were overwhelmed to see their grandchildren performing for them.

The Chief Guest, appreciated the efforts of the students and expressed his pleasure to be a part of this grand show presented by such tiny tots. As expressed by Mrs Paramjit Kaur, he agreed that screentime of the children must be reduced. It is the responsibility of the grandparents and parents to impart good moral values and to teach about Indian culture and rich heritage

School Head Personnel & Admin., Dr. Pradip Varma, appreciated the efforts of the students, parents and teachers for conducting this programme every year on such pertinent themes.

Principal, Mrs. Paramjit Kaur, lauded the hard work and dedication of the students and teachers and acknowledged the cooperation of the parents. She said that the Grandparents lovingly transmit the culture of their generation to the next generation.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में वात्सल्यम

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में कक्षा-एक के छात्रों द्वारा 'सतत विकास की ओर' विषय पर दादा-दादी का उत्सव वात्सल्यम बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, प्रो. (डॉ.) एस. पी. अग्रवाल, कुलपति, साईं नाथ विश्वविद्यालय और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत श्लोकोच्चारण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें छात्रों ने दादा-दादी के प्रति अपने प्यार को दर्शाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा I-F के छात्र ने अपना गीत 'इको-ल्यूजन' प्रस्तुत किया, जिसमें धरती माता की उदारता का आनंद लेने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। कक्षा I-D के बच्चों ने मंच पर 'एक्वेटिक मैलोडीज' कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसमें जल संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाया गया। अगला कार्यक्रम 'बैकपैक टू द फ्यूचर' था जिसे कक्षा I-B के छात्रों ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि अगर हम ऊर्जा के स्रोतों के व्यापक और बेपरवाह उपयोग को नहीं रोकेंगे तो भविष्य कैसा होगा। इसके बाद डेप्यूटी लिट्रेरी सेक्रेटरी, नभ्या लाल द्वारा स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके बाद नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति 'लक्ष्य' कार्यक्रम के तहत कक्षा I-A के छात्रों ने की। इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास के प्रति बच्चों ने अपना दृढ़ संकल्प प्रस्तुत किया। कक्षा I-C के बच्चों ने 'रिदम ऑफ स्पलैश' प्रस्तुत किया जो पानी के नीचे के जीवन के इर्द-गिर्द की दुनिया पर आधारित था। आज के कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति 'टेरा मैलोडीज' कक्षा I-E के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में उन्होंने सभी को याद दिलाया कि पृथ्वी रहने के लिए कितनी सुंदर जगह है। छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सभी कार्यक्रमों की दर्शकों ने बेहद सराहना की। धन्यवाद ज्ञापन, विद्यालय गीत और उसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम की सफलता उपस्थित दादा-दादी की मुस्कान और भावुक आँखों से स्पष्ट थी क्योंकि वे अपने पोते-पोतियों को उनके लिए प्रदर्शन करते देखकर अभिभूत थे।

मुख्य अतिथि ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत आज के इस भव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वे प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर के इस वक्तव्य से सहमत थे कि बच्चों का स्क्रीनटाइम कम किया जाना चाहिए। यह दादा-दादी और माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को अच्छे नैतिक मूल्य प्रदान करें और भारतीय संस्कृति और समृद्ध विरासत के बारे में सिखाएं।

विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने प्रतिवर्ष ऐसे प्रासंगिक विषयों पर कार्यक्रम के संचालन के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने छात्रों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की साथ ही अभिभावकों के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दादा-दादी अपनी पीढ़ी की संस्कृति को प्रेमपूर्वक अगली पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करते हैं













